PC-311 CV-19

(423) M.A. Sanskrit (3rd Semester)

Examination, Dec-2020

Paper-

Name/Title of Paper- Granth Evam Chintak Parampra **[Maximum Marks : 80**

Time : Three Hours] **[Minimum Pass Marks : 29**

नोट :दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड / Section-A

1. सर्वे अतिलघुत्तरीण प्रश्ना समाधेयाः।

क. शोकः कस्य रसस्य स्थायिभावः। 1x10

ख. रीतयः कतिधा।

ग. काव्यमीमांसा केन विरचिता।

घ. काव्यमीमांसायाः प्रथमोध्यायः किनाम्।

ङ. अपौरूषेय किं भवति।

च. सरस्वती कः जनयामास।

छ. पदलालित्यं कस्य प्रसिद्धम्।

ज. काव्यादर्श कः रचनाकारः।

झ. औचित्यानां का संख्या।

ञ. उचितस्य भावः किं।

2. सर्वे लघुत्तरीयाः प्रश्नाः समाधेयाः–

i. अलंकार स्वरूपं निरूप्यत्। 2x5

ii. "द्विविधं शिष्यंमाचक्षते" समांसेनप्रतिपाघताम्।

iii. काव्यादर्शनुसारेण महाकाव्यस्यलक्षणं प्रस्तूपगम्।

iv. क्षेमेन्द्रस्य संक्षिप्तं परिचयों देयः।

v. औचित्यस्य स्वरूपं प्रस्तूयताम्।

खण्ड / Section-B

3. सर्वे दीर्घउत्तरीया प्रश्नाः समाधेयाः 15x4

इकाई–1

"नाट्येऽष्टौ रसस्मृता" इति व्याख्यताम्।

अथवा

"रीतिरात्मा काव्यस्य" इति समीक्ष्यताम्।

इकाई–2

4. राजशेखरस्य व्यक्तित्वं कृतित्वंज्च प्रतिपाद्यताम्।

अथवा

व्याख्या कार्या–

1. सरितामिव प्रवाहास्तुच्छाः प्रथम यथेत्तर विपुलाः।
ये शास्वसमारम्भा भवन्ति लोकस्य ते वन्द्याः।।
2. चत्वारिश्रड.ास्लऽस्पयादा द्वे शीर्षे सप्त हस्तासोडस्य।
विधाबद्धों वृषमों रोरवीति महो देवो मत्यीनाविवेश।

इकाई–3

5. कपोश्चिद द्वयो व्याख्या विधेया

1. शिष्टानुशिठचनां शिष्टानाम पि सर्वथा।
क्चामेव प्रसादेन लोकयावा प्रवर्त वे।।
2. तदलभपि नोपेक्ष्यं काव्ये दुष्टं कथव्चन।
सद्वयुः सुन्दरमपि श्विते णैकेन नुर्भगम्।।
3. शरीरं ताव दिष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली।
4. सर्वन भिन्न वृत्तान्तैरूपेतं लोक रय्जकभ।
काव्यं कल्पान्तरस्थापि जापते सदलड.कृति।।

इकाई–4

6. अधोलिखितेषु औचित्य द्वचं स्पठच्यः–

I. पदौचिव्यम

II. वाकयौचिव्यम्

III. गुणौचिव्यम्

IV. रसौचित्यम्